वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :4 अंक : 215 रविवार 1 दिसम्बर 2024 | दैनिक ई-पेपर

# शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

# अल्बर्ट हॉल पर सुरों की महफिल

## कल्चरल डायरीजः बिखरा लोक संगीत और फ्यूजन का जादू, उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी की पहल की सराहना

जयपुर. कासं

राजस्थान पर्यटन विभाग की अनूठी पहल कल्चरल डायरीज के तहत नवम्बर माह की अंतिम सांस्कृतिक संध्या शनिवार को ऐतिहासिक अल्बर्ट हॉल पर आयोजित की गई। इस खास आयोजन में जयपुरवासियों और भारी संख्या में घरेलू व विदेशी पर्यटकों ने लोक और आधुनिक संगीत के बेमिसाल संगम का आनंद उठाया। राजस्थान की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर और आधुनिक संगीत की स्वरलहरियों ने इस महफिल को यादगार बना दिया।

### राजस्थान की सांस्कृतिक विरासत को प्रोत्साहन

उल्लेखनीय हैं कि उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी की पहल पर राजस्थान पर्यटन विभाग ने लोक कलाकारों को मंच देने और उनकी कला को प्रोत्साहन प्रदान करने के लिए कल्चरल डायरीज नामक सांस्कृतिक श्रृंखला शुरू की है। हर पखवाड़े आयोजित होने वाली इस श्रृंखला का उद्देश्य राज्य की सांस्कृतिक धरोहर को सहेजना और उसे राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाना है। कल्चरल डायरीज की यह प्रस्तुतियां राजस्थान की संस्कृति और संगीत के संरक्षण और प्रचार-प्रसार में मील का पत्थर साबित हो रही हैं। ऐसे आयोजन न केवल राजस्थान की पहचान को मजबूत बनाते हैं, बल्कि कला और कलाकारों को वैश्विक मंच पर अपनी छाप छोड़ने का अवसर भी प्रदान करते हैं।

### रावण हत्था के सुरों में डूबे जयपुरवासी

कार्यक्रम की शुरूआत राजस्थान के प्राचीन वाद्य यंत्र रावण हत्था की मधुर तान से हुई। आमेर के प्रसिद्ध लोक कलाकार रूपाराम और उनके साथियों ने अपनी प्रस्तुति से समां बांध दिया। घूमर, केसरिया बालम, और निम्बुडा जैसे लोकप्रिय राजस्थानी गीतों को रावण हत्था के जरिए नए अंदाज में पेश किया गया। रावण हत्था जिसे वायलिन का पूर्वज कहा जाता है, राजस्थान की लोक परंपरा में एक विशेष स्थान रखता है। इसका प्रयोग विशेष रूप से भोपा समुदाय द्वारा पाबूजी की फड़ गायन में किया जाता है। इस एक तार वाले वाद्य यंत्र से निकलने वाली धुनों की मिठास ने अल्बर्ट हॉल के प्रांगण सहित रामनिवास गेट तक मौजूद सभी दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

### युग्म बैंडः फ्यूजन का जादू

रावण हत्था वादन की प्रस्तुति के बाद मंच संभाला जयपुर के इंडी फोक बैंड युग्म ने। इस बैंड ने पारंपरिक और आधुनिक संगीत का ऐसा मेल प्रस्तुत किया जिसने दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। मुसाफिर हूं, ओ रे पिया, और अन्य गीतों पर जयपुरवासी और विदेशी सैलानी ताल से ताल मिलाते नजर आए। उनकी अंतिम प्रस्तुति में राग बैराग की काव्यात्मक जुगलबंदी 'मन बैरागी हुआ' से श्रोता झूम उठे। युग्म बैंड ने भारतीय और पश्चिमी वाद्ययंत्रों के जरिए संगीत में नए आयाम जोड़े। उनके गीतों और कविताओं में राजस्थान की सांस्कृतिक जड़ों की गूंज सुनाई दी। बैंड के कलाकारों ने बताया कि उनका उद्देश्य भारतीय लोकधुनों और परंपरागत वाद्यों को विश्व मंच पर नई पहचान दिलाना है। गौरतलब है कि युग्म बैंड के कई गीत नेटफ्लिक्स पर भी काफी लोकप्रिय हैं।

### उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी की पहल की सराहना

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी की पहल से अल्बर्ट हॉल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि में आयोजित इस कल्चरल डायरीज में न केवल संगीत का उत्सव था, बल्कि जयपुरवासियों और देसी व पर्यटकों के लिए राजस्थान की संस्कृति से जुड़ने का अवसर भी था। इस सांस्कृतिक शाम ने यह सिद्ध कर दिया कि संगीत और परंपरा की जड़ें लोगों के दिलों को छूने की शक्ति रखती हैं। राजस्थान पर्यटन विभाग के इस प्रयास को जयपुरवासियों और सैलानियों ने सराहना की है।

# विश्व महाशांति महायज्ञ के साथ सिद्ध चक्र विधान संपन्न

**सुरेश चंद्र गांधी. शाबाश इंडिया**

नौगामा, बांसवाड़ा ।परम पूज्य 108 मुनेश्वरी अजीत सागर जी महाराज के संध सानिध्य में आठ दिवसीय सिद्ध चक्र महामंडल विधान सिद्धघो की आराधना के साथ सहआनंद संपन्न हुआ प्रतिदिन प्रातः मुनि श्री के सानिध्य व प्रतिष्ठाचार्य सुयश प्रदीप भैया अशोक नगर मध्य प्रदेश विधानाचार्य रमेश चंद्र गांधी नौगामा विना दीदी शैलेंद्र भैया जी के सानिध्य में प्रातकालीन अभिषेक शांति धारा के पश्चात प्रतिदिन नवग्रह 24 तीर्थंकर ,जिनवाणी पूजन देव शास्त्र गुरु पूजन के बाद सिद्ध चक्र विधान के अर्ध 8 ,16,32,64 इस प्रकार प्रतिदिन बढ़ते हुए क्रम में अंतिम दिन 1024 अर्ग के साथ आठ दिवसीय विधान बड़े भक्ति भाव से गीतकार राजेश जैन के मधुर स्वर लहरों के साथ बड़े भक्ति भाव से नाचते गाते हुए गरबा नृत्य करते हुए महिलाएं केसरिया वस्त्रो में पुरुष सफेद वस्त्र में विधान के अर्घ चढ़ाऐ , एवं प्रतिदिन शाम को महा आरती के बाद दिल्ली से पधारे कलाकारों द्वारा मैना सुंदरी कृष्ण सुदामा राजा हरिश्चंद्र आदि नाटकों का मंचन किया गया उस अंतराल में पंडाल खचाखच भरा रहता पंडाल विशेष रूप से बनाया गया था उसे पंडाल में भगवान का समवरण मैं मुनि श्री बैठकर अपनी मंगल देशना सभी भक्तों को सुनाते थे मुनि श्री ने कहा कि वर्तमान युग पाश्चात्य की ओर जा रहा है हमारे बच्चों को संस्कारवान बनाना है टीवी एवं मोबाइल से बहुत दुष्प्रभाव पड़ रहा है इसे रोकने हेतु शुरूआत में ही बच्चों को जैन पाठशाला भेजना चाहिए विधान के आयोजन करता आदिनाथ कॉलोनी के सवोत पुष्पेंद्र जयंतीलाल द्वारा सोधर्मद्र कुबेर इंद्र यज्ञ नायक आदि पत्रों के माध्यम से बड़े भक्ति भाव प्रकट कर एवं उनकी ओर से पधारे हुए सभी अतिथियों को स्वरचित भोजन प्रतिदिन कराया जाता था इस अवसर पर आदिनाथ कॉलोनी परतापुर के अध्यक्ष मोहनलाल जैन लक्ष्मी लाल जैन राजेंद्र गांधी अनिल डी शाह विनोद जैन पंकज गांधी जयंतीलाल पिंड्डारमियां विधान आयोजन के परिवार से मुकेश गांधी रमलाल जैन ने अपना सहयोग प्रदान किया एवं प्रतिदिन पधारे हुए अतिथियों का माला पहनाकर दुपट्टा उड़ा कर सम्मान किया अंतिम दिन प्रातः कालीन मेला में अभिषेक शांति धारा के पश्चात प्रतिष्ठा आचार्य प्रदीप भैया रमेश गांधी के मंत्रो उच्चारण के साथ विश्व शांति महायज्ञ की आहुतियां दी गई एवं संपूर्ण विश्व में विश्व शांति हो ऐसी कामना की गई, यज्ञ के पश्चात विशाल शोभा यात्रा मुनि श्री के सानिध्य में नगर भ्रमण में बेडबाजो घोड़ा बग्गी एवं जैन पाठशाला के बच्चों द्वारा जैन धर्म की धर्म ध्वजा लिए विशाल शोभायात्रा आचार्य श्री विद्यासागर जी भगवान महावीर स्वामी के जयकारों के साथ पुनः आदिनाथ मंदिर पहुंच कर विसर्जन हुई आभार की रस्म शांति देवी लक्ष्मी देवी द्वारा की गई।

# संयम नहीं है तो जीवन बेकारः आचार्यश्री अंतर्मना प्रसन्नसागरजी

**नागपुर. शाबाश इंडिया।** जीवन में संयम नहीं है तो जीवन बेकार है। यह उद्गार आचार्य पुष्पदंतसागर के परम शिष्य आचार्यश्री अंतर्मना प्रसन्नसागरजी ने श्री 1008 पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर, सदर में व्यक्त किए। आचार्यश्री ने कहा कि गाड़ी में ब्रेक नहीं है तो गाड़ी बेकार है। भोजन में नमक नहीं है तो भोजन बेकार है। आचार्यश्री ने अपने 5 वें आचार्य पदारोहण दिन पर निर्जल उपवास किया तथा भक्त भी संयम मार्ग पर आगे बढ़े इसलिए संकल्पपूर्वक कुछ नियम पालन करने को कहा। मंदिर भगवान का दर्शन करते वक्त और खाना खाते समय मोबाईल बंद रखें। माह में 4 दिन बाजार में नहीं खाएंगे। 24 घंटे में एक बार भगवान का दर्शन करेंगे। दिन में एक बार मेरी भावना पढ़ना जिससे 100 ग्रंथों का स्वाध्याय करने का फल प्राप्त होता। शराब का सेवन नहीं करेंगे क्योंकि एक बार भी सेवन की तो वह तुम्हारी जिंदगी पी जाती है। गुटका नहीं खाना। शहद का सेवन नहीं करेंगे एक बूंद भी लिया तो 7 गांव जलाने का पाप लगेगा। अभी तक के किए मेरे सभी पाप मिथ्या हो यह मानकर प्रायश्चित करें। आचार्यश्री के 5 वे आचार्य पदारोहण के उपलक्ष में संघ के साधु साध्वियों ने पुष्पांजलि और गुणानुवाद किया। संघस्थ सौम्य मूर्ति उपाध्याय पीयूषसागर ने कहा कि शक्कर जिसने चखी वही उसका स्वाद बता सकता है। वैसे जिन्होंने महाव्रत धारण कर कठोर तपस्या का अंगीकार किया है उसका आनंद वही बता सकते। सहजसागर महाराज ने कहा कि दुनिया आपके चरणों में क्यों दौड़कर आती है क्योंकि उनकी तकदीर बदल जाती है। निर्यापक मुनि नवपदसागर ने कहा कि प्रथमानुयोग ग्रंथ का स्वाध्याय कर धर्म मार्ग पर आगे बढ़कर महाव्रतों को धारण कर अपना भी मोक्षमार्ग को प्रशस्त करें। क्षुल्लिकारत्न विस्मिताश्री माताजी ने कहा कि आचार्यश्री से तपस्या करने की ऊर्जा प्राप्त होती है। संयम मार्ग पर आगे बढ़ने की शिक्षा भी प्राप्त होती है। समाजसेवी अतुल कोटेचा, पूर्व सांसद अजय संचेती, विधायक मोहन मते, विकास ठाकरे एवं गो गैस के संचालक नितिन खारा क्षुल्लिकारत्न विस्मिताश्री एवं विगम्याश्री माताजी ने की।

# मंत्रोच्चार और जयकारों के साथ आचार्य शंशाक सागर जी के सानिध्य में हुआ नवीन वेदी भूमि का शिलान्यास

## पुण्यार्जक परिवारों और श्रद्धालुओं ने स्थापित की स्वर्ण, रजत और ताम्र शिलाओं, 5 फीट चौड़ी और सवा तीन फीट ऊंची बनेगी वेदी

**जयपुर. शाबाश इंडिया**

एशिया की सबसे बड़ी कालोनियों में शुमार धर्म नगरी जयपुर के मानसरोवर, न्यू सांगानेर रोड़ स्थित इंजीनियर्स कॉलोनी के एम ब्लॉक में 13 दिसंबर 2023 से नवनिमार्णाधीन शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर का निर्माण कार्य चल रहा है। जो अब तक आधे से अधिक बनकर तैयार हो गया है। शुक्रवार को निमार्णाधीन जिनालय में नवीन वेदी भूमि का शिलान्यास आचार्य शंशाक सागर महाराज ससंघ सानिध्य एवं बाल ब्रह्मचारी धर्मचंद शास्त्री (गुरुग्राम) व जिनेश भैया (चीकू) के निर्देशन में किया गया। 250 गज में बन रहे मंदिर के ग्राउंड फ्लोर पर बने बड़े हाल में नवीन वेदी भूमि का शिलान्यास किया गया है जो 5 फीट चौड़ी होगी और सवा 3 इंच ऊंचाई रखी जाएगी, जिनालय जब पूरा तैयार हो जाएगा तब भव्य पंचकल्याणक प्रतिष्ठा के साथ जिन बिम्ब प्रतिमाओं को इस वेदी पर विराजमान किया जाएगा। अखिल भारतीय दिगंबर जैन युवा एकता संघ अध्यक्ष अभिषेक जैन बिट्टू ने कहा कि शुक्रवार को प्रातः 6.30 बजे से श्रद्धालुओं द्वारा चैत्यालय में विराजमान भगवान शांतिनाथ के कलशाभिषेक और शांतिधारा की गई और नित्य नियम पूजन किया गया। इसके पश्चात नवीन जिनालय में वेदी भूमि का शुद्धि संस्कार और प्रतिष्ठा धर्मचंद शास्त्री के निर्देशन में संपन्न की गई। इस दौरान मंत्रोच्चार के साथ श्रद्धालुओं ने नवीन वेदी भूमि शिलान्यास का अष्ट द्रव्यों के साथ पूजन किया और अर्घ चढ़ाएं। प्रातः 10.30 बजे आचार्य शंशाक सागर महाराज वरुण पथ दिगंबर जैन मंदिर से विहार कर स्वर्ण पथ, न्यू सांगानेर रोड़, स्वर्ण गार्डन होते हुए इंजीनियर्स कॉलोनी के नवीन जैन मंदिर में प्रवेश संपन्न हुआ, जहां पर कमलचंद छाबड़ा, पुष्पेंद्र जैन पचेवर वाले, अशोक बोहरा, मनीष जैन, महावीर जैन परिवार सहित विभिन्न श्रावक और श्राविकाओं ने आचार्य श्री की पाद प्रक्षालन और आरती कर मंगल अगवानी की। इसके बाद सभा का आयोजन हुआ और आचार्य श्री द्वारा संबोधन दिया गया और मंदिर में वेदी के महत्व पर श्रद्धालुओं को आशीर्वचन दिए।

### इन्हें मिला वेदी भूमि शिलान्यास करने का पुण्यार्जन

अभिषेक जैन बिट्टू ने जानकारी देते हुए बताया कि शुक्रवार को वेदी भूमि शिलान्यास कार्यक्रम के दौरान आचार्य शंशाक सागर महाराज के सानिध्य में मुख्य आधार शिला स्थापित करने का सौभाग्य राजकुमार ठोलिया हिंगोनिया परिवार, आधार शिला गुणमाला, दिवाकर-शिल्पी जैन चितोड़ा परिवार, बेंगलौर, मुख्य रजत कलश स्थापना चिरंजीलाल कांतादेवी, सुनील सेठी प्रताप नगर परिवार, इसके अतिरिक्त पांच कोणों के कलश सुधीर रेणु पाटनी, मोहनलाल आशा, मनोज नीलू पाटनी परिवार सहित 5 परिवारों ने स्थापित करने का सौभाग्य प्राप्त किया। इस अवसर पर स्वर्ण शिला मंगलचंद, नेमीचंद, पारस, महावीर छाबड़ा मधुवन कॉलोनी को स्थापित करने का अवसर मिला। इसके साथ ताम्र पत्र चढ़ाने का अवसर विमल पिंकी पाटनी प्राप्त हुआ। इसके साथ ही अनिल बोहरा परिवार, शरद ममता सेठी, मनोज इंद्रा सोगानी, महावीर प्रसाद महेश पाटनी सहित भूमि दानदाता कमलचंद तारा देवी, सीए मनीष निशा, सपन रजनी, रवि रितु छाबड़ा परिवार और इन्होंने परिवारजनों व समाजसेवी पुष्पेंद्र अशोक जैन पचेवर वाले द्वारा वेदी भूमि शिलान्यास पूजन में भाग लिया। 21 परिवारों की 21 महिलाओं ने वेदी भूमि पर रतन वृष्टि करने का सौभाग्य अर्जित किया। इस अवसर पर प्रमोद बाकलीवाल, शशांक जैन, सुरेशचंद जैन बांदीकुई वाले, हेमेंद्र सेठी, लोकेश सोगानी, सतीश कासलीवाल, सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालुगण उपस्थित हुए।

**संस्कारों के लिए अच्छी शिक्षा जरूरी है और आस्था के लिए जिनालय जरूरी है - आचार्य शंशाक सागर जी**

इंजीनियर्स कॉलोनी के नवीन जिनालय के नवीन वेदी भूमि शिलान्यास कार्यक्रम के दौरान आचार्य शंशाक सागरजी महाराज ने अपने आशीर्वचन में कहा कि ₹ जल को जल समझने वाले तो बहुत है किंतु जल को गन्दोधक समझने बहुत कम है क्योंकि यह संस्कारों का प्रभाव है जो अच्छी शिक्षा से वंचित है क्योंकि एक जल वो है जिससे प्राणी नहाता है तो भी जल कहलाता है और एक जल वो है जिससे तीर्थंकर भगवानों के कलशाभिषेक होते है जो गंधोदक बन जाते है जिसे हम अपने मस्तक पर लगाते है। जिनालय संस्कारों का केंद्र है जिसके प्रति आस्था रखने वाले अच्छी शिक्षाओं को धारण करते है और जिनालय और वेदियों का निर्माण करवाते है वो सौभाग्यशाली होते है जो जिनालयों का निर्माण करवाते है यह सौभाग्य आज इंजीनियर्स कॉलोनीवासियों को प्राप्त हुआ है वह सभी साधुवाद के पात्र है।

**अभिषेक जैन बिट्टू**
**कार्यक्रम प्रचार संयोजक**

## वेद ज्ञान

# ईश्वरीय कृपा

वह सत्य स्वरूप परमात्मा एक है जिसे हम सभी अलग-अलग नामों से पुकारते हैं। धरती, जल, अग्नि, वायु और आकाश हर जगह उसकी सत्ता विराजमान है। उसकी मर्जी के बगैर एक पत्ता भी नहीं हिलता है। वह कण-कण में समाया है। हमारे भीतर हर पल वह हमारे साथ है। हमारे हृदय मंदिर में यदि परमात्मा के नाम की बयार बहने लगे तो समझें कि सारा संसार मधुवन-वृंदावन हो जाता है। इसलिए प्रभु की सुध-बुध लग जाए इसके लिए हमें प्रार्थना करनी चाहिए। अपनी पात्रता तैयार करने के लिए आज ही तत्पर हो जाएं। मन, कर्म और वचन से सच्चे बन जाएं। अपनी आत्मा को उस परमात्मा से जोड़ने का प्रयास करें। ऐसा इसलिए, क्योंकि हम उस एक ईश्वर के ही अंश हैं। यह भगवान श्रीकृष्ण की स्वयं की उद्घोषणा है, परंतु ध्यान रहे जिसको भी प्रभु का इस दुनिया में सहारा नहीं मिला है उसे संसार सागर का किनारा भी नहीं मिला है। जो सब सहारों की फिक्र छोड़कर एक प्रभु का सहारा पा लेता है। वह सब कुछ साध लेता है। ईश्वर को जानने के पथ पर जो अग्रसर होता है वह पाप कर्मों से बच जाता है। उसके अंदर का अहंकार मिट जाता है। मिथ्या भावनाएं अनायास ही चली जाती हैं। ध्यान रहे जो जागता है और जीवन में हर पल सचेत व सजग रहता है उसे ही कृपा मूर्ति, करुणा के सागर परमपिता का दर्शन होता है। वेदों में भगवान ने स्वयं कहा है कि ए मनुष्य! तू हर पल मेरे साथ है, तू मेरे आश्रय में बसा हुआ है, मैं तेरा मित्र हूं। परमात्मा की कृपा मिलते ही लोहे जैसा जीवन भी कंचन बन जाता है। हम इस मायावी संसार में कितना भी घूम लें, भटक लें, लेकिन शांति तभी मिलेगी जब हम प्रभु की चरण-शरण में पहुंचेंगे। कितना ही भोगों को भोग लें, पर यह भूख मिटने वाली नहीं है। यह मिटेगी मात्र भगवान की भक्ति से। भगवान प्रेम के भूखे हैं, भक्ति के भूखे हैं। वह जिसकी बांह पकड़ लें उसकी नैया पार है। वह अंतर्यामी नाथ परमात्मा ही इस जीवन के आधार हैं। उनकी कृपा से ही हमारे जीवन में जाग्रति आ पाएगी। वही माता है, पिता है, बंधु है, हमारे सखा हैं। जब सारे रास्ते दुनियादारी के बंद हो जाते हैं और रिश्ते नाते टूट जाते हैं तो भी वह हमारे साथ रहता हैं। इसलिए उस परमपिता का ध्यान हमेशा बनाए रखें। जीवन सफल होगा।

## संपादकीय

# हिंसा की बिमारी से बचना होगा...

संभल धर्मस्थल विवाद में सर्वोच्च न्यायालय के सराहनीय हस्तक्षेप से हम सही समाधान की ओर बढ़ते दिख रहे हैं। सर्वोच्च न्यायालय ने शुक्रवार को जहां संभल में शांति व सद्भाव बनाए रखने का निर्देश दिया है, वहीं संभल की जामा मस्जिद में सर्वेक्षण को रुकवा दिया है। सर्वेक्षण का आदेश देने वाली स्थानीय अदालत को 8 जनवरी तक सर्वेक्षण के संबंध में कोई और कदम उठाने से रोक दिया गया है। अब निचली अदालत को

कोई भी फैसला सुनाने से पहले उच्च न्यायालय के निर्देशों का पालन करना होगा। इसके साथ ही मस्जिद समिति को भी उच्च न्यायालय में अपील करने का रास्ता दिखाया गया है। वास्तव में, उच्च न्यायालय में जल्दी सुनवाई शुरू करते हुए इस विवाद को सुलझाना चाहिए। न्यायालय के निर्देशों को अक्षरशः मानते हुए सभी पक्षों को संयम बरतना होगा। भूलना नहीं चाहिए कि उपद्रव और पत्थरबाजी की वजह से संभल में चार लोगों की मौत हुई है। एक परिवार के बीच भी मतभेद होते हैं, किंतु मतभेद के चलते पत्थरबाजी या गोलीबारी होना अक्षम्य और अशोभनीय है। संभल में क्या हुआ और कैसे हुआ, इसका दूध का दूध और पानी का पानी होना चाहिए। इस विवाद को सियासी या सांप्रदायिक पाले में नहीं छोड़ा जा सकता। अच्छी बात है कि उत्तर प्रदेश सरकार ने गुरुवार देर रात इलाहाबाद उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश देवेंद्र कुमार अरोड़ा को हिंसा की जांच के लिए तीन सदस्यीय समिति का प्रमुख नियुक्त किया है। यह जांच यथोचित मुकाम पर पहुंचनी चाहिए, ताकि सांप्रदायिकता की चिनगारी को न्याय की शीतल छाया में बुझाया जा सके। जिस तरह का अविश्वास संभल में दिख रहा है, उसे देखते हुए कार्यपालिका और न्यायपालिका को पूरी तरह सचेत रहना होगा। फैसले बिल्कुल कानून के अनुरूप करने होंगे। अभी देश अपने संविधान की 75वीं वर्षगांठ मना रहा है और संविधान की बुनियाद भी सामाजिक सद्भाव पर टिकी है। आज सरकार की जिम्मेदारी तो है ही, आम लोगों पर भी बड़ी जिम्मेदारी है। किसी को भी यह इजाजत नहीं है कि वह कानून को अपने हाथ में ले। साथ ही, जन-प्रतिनिधियों को भी निष्पक्ष भाव से जनसेवा पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। अगर वोट बैंक के आधार पर देखा जाएगा, स्थानीय संख्या बल के आधार पर देखा जाएगा, तो हम आसानी से समाधान तक नहीं पहुंच पाएंगे। सद्भाव का मार्ग खुले, सहज मन से ही यह तय होता है। सामाजिक नेताओं को भी ध्यान रखना चाहिए कि किसी भी उपद्रव के समय स्वार्थवश पक्षपाती या अधूरा सच बोलना परोक्ष पत्थरबाजी से कम नहीं है। काशी, मथुरा, भोजशाला, संभल, अजमेर और ऐसे ही न जाने कितने विवाद के मोर्चे सुलग रहे हैं। अतः यह संभलकर चलने का समय है। न्याय के मंदिरों को ज्यादा सजग रहना होगा। ऐसे मामलों में पूरी तरह से तार्किक और तथ्य आधारित बने रहने में ही सबका हित है।

**-राकेश जैन गोदिका**

## परिदृश्य

# नशे का कारोबार

पिछले कुछ समय से ऐसे समाचार लगातार आ रहे हैं कि ड्रग्स की बड़ी खेप बरामद की गई। गत दिवस भारतीय नौसेना ने अरब सागर में 500 किलो ड्रग्स जब्त की। इसे श्रीलंका के झंडे वाली दो नौकाओं से बरामद किया गया। इसके कुछ दिन पहले भारतीय कोस्ट गार्ड ने अंडमान निकोबार द्वीप समूह के पास से मछली पकड़ने वाली नौका से 5500 किलो ड्रग्स पकड़ी थी। इसे हाल के समय की सबसे बड़ी खेप बताया गया था। रह-रहकर ड्रग्स की बड़ी खेप पकड़े जाने से एक ओर जहां यह स्पष्ट होता है कि भारतीय एजेंसियां नशे के कारोबारियों के खिलाफ सजग और सक्रिय हैं, वहीं दूसरी ओर यह भी रेखांकित होता है कि ड्रग्स के सौदागर भारत को मादक पदार्थ खपाने का जरिया बना रहे हैं या फिर उसे यहां लाकर अन्यत्र भेजना आसान पा रहे हैं। दोनों ही स्थितियां चिंता बढ़ाने वाली हैं। भारत में न तो ड्रग्स की खपत होने देनी चाहिए और न ही यह होना चाहिए कि उसे यहां लाकर अन्य देशों को भेजा जाए। भारत सरकार को उन कारणों की तह तक जाना चाहिए, जिनके चलते ड्रग्स के कारोबारियों ने भारत को आसान ठिकाना समझ लिया है और जिसके चलते आए दिन ड्रग्स की बड़ी खेप देश के विभिन्न हिस्सों से बरामद की जा रही है। भारत में एक ओर अफगानिस्तान, पाकिस्तान एवं ईरान से ड्रग्स आ रही है तो दूसरी ओर थाइलैंड, लाओस तथा म्यांमार के रास्ते से। चूंकि समुद्री मार्ग के साथ जमीनी रास्तों से भी ड्रग्स आ रही है, इसलिए भारत को कहीं अधिक सतर्कता बरतनी होगी। चिंता की बात केवल यह नहीं कि नशे के कारोबारी ड्रग्स की खेप भारत लाकर उसकी आपूर्ति अन्य देशों में कर रहे हैं, बल्कि यह भी है कि उनके बीच कुछ तत्व ऐसे भी हैं, जो उसे भारत में ही खपा रहे हैं। यह एक तथ्य है कि पिछले कुछ समय से देश के अनेक छोटे शहरों में भी ड्रग्स की वह खेप पकड़ी गई है, जिसे स्थानीय

स्तर पर खपाने के लिए लाया गया था। इस कारोबार में जो भी लिप्त हैं, उन पर कहीं अधिक सख्ती दिखाई जानी चाहिए, क्योंकि वे केवल युवा पीढ़ी को बर्बाद ही नहीं कर रहे, बल्कि ड्रग्स माफिया के रूप में उभरकर कानून एवं व्यवस्था और कई बार तो आंतरिक सुरक्षा के लिए भी बड़ा खतरा बन रहे हैं। यह किसी से छिपा नहीं कि आम तौर पर माफिया समूह और आतंकी संगठन ड्रग्स से होने वाली काली कमाई के जरिये ही फलते-फूलते हैं। साफ है कि ड्रग्स का कारोबार आंतरिक सुरक्षा के लिए भी गंभीर खतरा है। निःसंदेह भारतीय एजेंसियां नशे के कारोबारियों की कमर तोड़ने के लिए कहीं अधिक ताकत से सक्रिय हैं और इसमें उन्हें कामयाबी भी मिली है, लेकिन अभी यह नहीं कहा जा सकता कि नशा मुक्त भारत का लक्ष्य आसान नजर आ रहा है।

# युवा समाजसेवी विनोद जैन कोटखावदा राजकीय सेवा से हुए सेवानिवृत

## विशाल जुलूस एवं गाडियों के लवाजमे के साथ पहुंचे अपने आवास। तारों की कूट पर सूर्य नगर स्थित श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में दर्शन पश्चात बैण्ड बाजों के साथ रवाना हुआ जुलूस

**जयपुर. शाबाश इंडिया**

जैन सोश्यल ग्रुप मेट्रो जयपुर के संस्थापक अध्यक्ष, राजस्थान जैन सभा के मंत्री, राजस्थान जैन युवा महासभा के प्रदेश महामंत्री सहित कई संस्थानों से जुड़े हुए युवा समाजसेवी विनोद जैन कोटखावदा राजकीय सेवा से 41 वर्षों की उल्लेखनीय रूप से सेवा कर साक्षरता एवं सतत शिक्षा विभाग के सहायक लेखा अधिकारी प्रथम के पद से सेवानिवृत हो गए। इस मौके पर राजकीय अधिकारियों, राजनेताओं, समाज बन्धुओं सहित कई सामाजिक एवं धार्मिक संस्थाओं के पदाधिकारियों ने उनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए निर्विघ्न रुप से गौरवमयी एवं उल्लेखनीय सेवाए पूर्ण कर सफलता पूर्वक सेवा निवृत्त होने पर उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दीं हैं। सेवानिवृत्ति के मौके पर विभाग द्वारा शिक्षा संकुल परिसर में सेवानिवृत्ति समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें विभाग के निदेशक वरिष्ठ आईएएस अधिकारी मेघराज रतनू, अतिरिक्त निदेशक स्नेह लता हारीत, मुख्य लेखा अधिकारी सुनीता माथुर, वरिष्ठ लेखाधिकारी प्रियंका भारती सहित कई अधिकारी एवं कर्मचारी गण शामिल हुए।

इस मौके पर रतनू ने विनोद जैन की कर्तव्य निष्ठा के साथ की गई उल्लेखनीय सेवाओं के लिए उनकी प्रशंसा करते हुए उनको दीघार्यु होने और उज्जवल भविष्य की कामना की।इस मौके पर विनोद जैन को माल्यार्पण साफा, प्रतीक चिन्ह भेट कर सम्मानित किया गया। जैन को जैन धर्म के प्रवर्तक एवं प्रथम तीर्थंकर भगवान आदिनाथ का चित्र भी भेट किया गया। तारा चन्द गुप्ता, सूरज नारायण, महेश सामरिया, मनोज शर्मा सहित अन्य अधिकारियों, कर्मचारियों ने जैन का मालाओं से लाद दिया। इस मौके पर अतिरिक्त निदेशक स्नेह लता हारीत, मुख्य लेखाधिकारी सुनिता माथुर, वरिष्ठ लेखाधिकारी प्रियंका भारती ने भी अपने विचार रखते हुए विनोद जैन के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए उनके मृदुभाषी, हंसमुख होने एवं उनकी कार्य के प्रति कर्तव्य निष्ठा, सभी को साथ लेकर चलने एवं सकारात्मक सोच के साथ कार्य करने के लिए प्रशंसा की। इस मौके पर जैन के परिवारजन भी शामिल हुए। जिनमें उनके ससुर महेन्द्र कुमार साह, समधी अशोक बाकलीवाल बहनोई सुरेन्द्र जैन हल्दैनिया, मनीष बगडा, दामाद अंकित बाकलीवाल,कुलदीप सोनी, सीए शुभम जैन, प्रेमलता बाकलीवाल, दीपिका जैन कोटखावदा, दिव्या जैन सहित लोकेश गोधा, महेश्वर सिंह केलावत, राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर ग्रामीण जोन के महामंत्री अमन जैन कोटखावदा सहित कई लोग जैन को शिक्षा संकुल स्थित उनके कार्यालय से सूर्य नगर के श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर तक तक गाड़ियों के लवाजमे के साथ में लेकर आए। तारों की कूट पर सूर्य नगर के श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर से भगवान के दर्शन के पश्चात विनोद जैन कोटखावदा को खुली गाड़ी में बैठाकर बैण्ड बाजो के साथ नाचते गाते जूलुस के साथ उनके निवास स्थान पर लाया गया। इस मौके पर प्रसिद्ध समाज सेवी गुलाब कौशल्या चैरिटेबल ट्रस्ट के प्रबंध ट्रष्टि नरेश मेहता, जैन सोश्यल ग्रुप मेट्रो जयपुर के निवर्तमान अध्यक्ष कमल वैद, समाजसेवी अभय लुहाडिया, दीपक कासलीवाल, जम्बू सोगानी, विजय सेठी, अशोक सेठी, विजय गंगवाल, सुभाष अग्रवाल सहित कई लोगों ने माल्यार्पण कर जैन का स्वागत व सम्मान किया और सफलता पूर्वक सेवानिवृत्ति होने पर उन्हें उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी। जैन अखिल भारतवर्षीय दिगंबर जैन परिषद के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य एवं प्रदेश उपाध्यक्ष, ऋषभ सेवा संस्थान जयपुर के मानद सचिव, श्री 1008 पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर नटाटा के मानद मंत्री, भारतवर्षीय दिगम्बर जैन तीर्थक्षेत्र कमेटी राजस्थान अंचल के प्रवक्ता, श्री दिगम्बर जैन पदयात्रा संघ जयपुर एवं श्री महावीर दिगम्बर जैन शिक्षा परिषद जयपुर के कार्यकारिणी सदस्य होने के साथ गुलाब कौशल्या चैरिटेबल ट्रस्ट जयपुर अन्य कई सामाजिक एवं धार्मिक संस्थाओं से सक्रियता से जुड़े हुए हैं। जैन परम मुनि आर्यिका भक्त होने के साथ मानव एवं समाज सेवा के लिए सदैव निस्वार्थ भावना से समर्पित रहते हैं। उनको कई संस्थाओं, संगठनों, साधु संतों द्वारा सम्मानित किया गया है। जैन ने सामाजिक एवं धार्मिक आंदोलनों, तीर्थ क्षेत्रों की रक्षार्थ, संल्लेखना, मौन जुलूस आदि में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। श्री दिगम्बर जैन पदयात्रा संघ जयपुर के तत्वावधान में उन्होंने सन, 2000 में जयपुर से सम्मेद शिखर जी की पदयात्रा, सन 2003 में जयपुर से कुण्डलपुर बडे बाबा की पदयात्रा के सहसंयोजक , सन 2006 में जयपुर से बैंगलोर रेल यात्रा एवं बैंगलोर से स्वर्णबेलगोला बाहुबली तक पद यात्रा के सहसंयोजक के रूप में पदयात्रा कर महामस्तकाभिषेक में सहभागिता निभाई। इसी तरह से सन 2018 में संयोजक के रूप में जयपुर से बैंगलोर हवाई यात्रा करते हुए बैंगलोर से बाहुबली तक पदवन्दना की तथा बाहुबली भगवान का महामस्तकाभिषेक करने का पुण्यार्जन किया। जनवरी 2023 में जयपुर से शाश्वत तीर्थराज सम्मेद शिखर जी की स्पेशल ट्रेन यात्रा के संयोजक के रूप में महती भूमिका निभाई। श्री जैन की सफल सेवानिवृत्ति के उपलक्ष्य में उनके परिवारजनों द्वारा भट्टारक जी की नसियां में श्री शांतिनाथ पूजा विधान का संगीतमय आयोजन किया गया है।

# यादव समाज सेवा समिति के तत्वावधान में सम्मान समारोह एवं काव्य गोष्ठी का भव्य आयोजन

**मुंगेली. शाबाश इंडिया**

यादव समाज सेवा, कला संस्कृति एवं साहित्य उन्नयन समिति मुंगेली, छत्तीसगढ़ के द्वारा दिनाँक 29 नवंबर 2024 को साक्षी भवन में प्रथम स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में सम्मान समारोह, काव्य गोष्ठी, सांस्कृतिक कार्यक्रम, समाज की उन्नति और विकास हेतु चर्चा, शिक्षा और जन जागृति का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम विश्व गुरु प्रभु श्रीकृष्ण जी की प्रतिमा पर पूजा-अर्चना कर श्रीफल अर्पित किया गया। तत्पश्चात आए हुए सभी अतिथियों और यदुवंशियों का गुलाल से तिलक लगाकर और पुष्पहार पहनाकर स्वागत किया गया। बालिकाओं ने स्वागत गीत पर नृत्य किये। इस समारोह के मुख्य अतिथि डॉ. पी.सी. लाल यादव गंडई थे। मुख्य अतिथि ने कहा कि शिक्षा और स्वरोजगार को अपनाकर समाज की उन्नति और विकास हो सकता है। अध्यक्षता शरद यादव अक्स बिलासपुर, विशिष्ट अतिथि डॉ. मंतराम यादव देवरहट, डॉ. ईश्वर प्रसाद यादव मुंगेली, मिलऊ यादव बांकी, देवीशंकर यादव उमरिया, अतिथि डॉ. अलका यादव बिलासपुर, धनीराम यादव मुंगेली, डॉ. ललिता यादव बिलासपुर, बिहारी लाल यादव लोरमी, नंदराम यादव मुंगेली थे। मंच संचालन का कार्य समिति के संस्थापक एवं अध्यक्ष अशोक कुमार यादव मुंगेली ने किया। समिति के द्वारा ऐश्वर्य राजे सिंह यादव बांकी, भोरउदय सिंह यादव बांकी, अन्नपूर्णा यादव बिलासपुर, सहोरिक यादव घुठेली, जलेश यादव मुंगेली, वीरू यादव लोरमी, तोरन प्रसाद यादव नावाडीह लोरमी, दीनदयाल यादव लखराम बिलासपुर, कु. चित्रेखा यादव जमकुही, तेज नारायण यादव लिमहा मुंगेली, सुभाषचंद्र यादव धरदई पथरिया, विजय यादव कोइलारी, नारायण यादव मुंगेली, विजय यादव गैलूगाँव, महेंद्र यादव रामगढ़ और रामजी यादव भठली सहित मुख्य अतिथि, अध्यक्षता, विशिष्ट अतिथि और अतिथियों को समाज सेवा, साहित्यिक, शैक्षणिक, संस्कृतिक, प्रशासनिक, पत्रकारिता क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए पुष्पहार, पुष्पगुच्छ, श्रीफल प्रदान कर यादव गौरव सम्मान 2024 से अलंकृत किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करने वाली कु. दीपांजलि, कु. बिंदु, कु. प्रभा को मुद्रा और श्रीफल प्रदान किया गया। यदुवंशी कवियों ने श्रीकृष्ण महिमा, छत्तीसगढ़ के किसान, राउत के दोहे, मेहनत और सफलता, बचपन की यादें इत्यादि शीर्षक के तहत हिंदी एवं छत्तीसगढ़ी कविता प्रस्तुत किये। इस समारोह में समिति के उपाध्यक्ष सुखसेन यादव ढबहा, सचिव प्रकाश यादव दामापुर, संरक्षक संतोष कुमार यादव मुंगेली, संरक्षक सहोरिक यादव घुठेली, संगठन मंत्री धनराज यादव जमकोर, संगठन मंत्री राममिलन यादव लोरमी, सह संयोजक सतानंद यादव जोता, युवा शक्ति केंद्र सह संयोजक बेदराम यादव जमकोर, सभापति हरीश यादव इंदलपुर, प्रवक्ता द्वारिका यादव देवरी, प्रचार मंत्री योगेश यादव जोता को समिति के पदाधिकारी के रूप में निर्वाचित व मनोनीत प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। समारोह को सफल बनाने के लिए मोहित कुमार यादव मुंगेली, जीराबाई यादव जमकुही, गंगोत्री बाई यादव धरदई, सुखीराम यादव धरदई, यशपाल यादव सारंगपुर, ईश्वरी यादव, मनीष कुमार यादव लखासार, नारायण यादव मुंगेली, सतीश कुमार यादव सारंगपुर, गोरेलाल यादव इंदलपुर उपस्थित थे।

# रिलायंस डिजिटल की 'ब्लैक फ्राइडे सेल' में बंपर ऑफर्स

## आईफोन 16 सिर्फ 70,900 रुपए में उपलब्ध

**मुंबई. शाबाश इंडिया।** रिलायंस डिजिटल ने गुरुवार से अपनी 'ब्लैक फ्राइडे सेल' की शुरूआत की है। यह सेल 28 नवंबर से शुरू हो चुकी है और 2 दिसंबर तक चलेगी। इसके तहत ग्राहक रिलायंस डिजिटल स्टोर्स, माय जियो स्टोर्स और रिलायंस डिजिटल.इन पर स्मार्टफोन, लैपटॉप, होम अप्लायंसेज सहित अन्य इलेक्ट्रॉनिक्स पर आकर्षक ऑफर्स का लाभ उठा सकते हैं। आईसीआईसीआई बैंक, आईडीएफसी फर्स्ट बैंक और वनकार्ड के चुनिंदा डेबिट और क्रेडिट कार्ड पर 10,000 रुपए तक की छूट और बजाज फिनसर्व, आईडीएफसी फर्स्ट बैंक कंस्यूमर लोन पर 22,500 रुपए तक का कैशबैक मिलेगा। फ्राइडे सेल में आईफोन 16 मात्र 70,900 रुपए में, और आईपैड 1,371 रुपए मासिक किस्त पर उपलब्ध हैं। एप्पल वॉच खरीदने पर वॉकिंग पॉइंट्स भी मिलेंगे। वहीं, रेफ्रिजरेटर पर 25,000 रुपए तक की छूट और 8,995 रुपए का एयर फ्रायर 1,999 रुपए में मिलेगा। गेमिंग लैपटॉप 46,990 रुपए से शुरू हो रहे हैं और ओएलईडी टीवी पर 26,000 रूपए तक की छूट दी जा रही है। 'बाय मोर, सेव मोर' ऑफर के तहत एक खरीद पर 5 प्रतिशत, दो पर 10 प्रतिशत, और तीन या उससे अधिक खरीद पर 15 प्रतिशत तक की छूट दी जा रही है।


## तीये की बैठक

अत्यन्त दुःख के साथ सूचित किया जाता है कि
हमारे पुजनीय पिताजी
**श्री भंवर सिंह**

पुत्र स्व. गोकुल सिंह जी का स्वर्गवास 29.11.2024 को हो गया है जिनकी तीये की बैठक 01.12.2024 को समय 3 से 4 बजे विधाधर महादेव पार्क सैक्टर 1, विद्याधर नगर, जयपुर पर होगी।

शोकाकुल :- गिरधीरी महाराज, राजेन्द्र सिंह (भ्राता), महेन्द्र सिंह, सत्येन्द्र सिंह (पुत्र) समस्त परिवारजन
9079829506, 9829387582

# प्रयागराज के कुंभ मेला 2025 के लिए योगी सरकार की खास तैयारियां

## संगम पर 12 बरसों के बाद 13 जनवरी से 26 फरवरी तक लगेगा महाकुंभ

**प्रयाग राज. शाबाश इंडिया**

संगम नगरी प्रयागराज में गंगा, यमुना और सरस्वती के संगम पर 12 बरसों के बाद 13 जनबरी से 26 फरबरी तक लगने बाले महाकुंभ मेले को लेकर उत्साह और तैयारियां चरम पर हैं। यह धार्मिक आयोजन दुनिया की सबसे बड़ी तीर्थ यात्रा मानी जाती है। ऐसा माना जाता है कि इस पवित्र जल में डुबकी लगाने से सभी पाप धुल जाते हैं, धरती पर पुनर्जन्म के चक्र से मुक्ति मिलेगी और मोक्ष ;मिलता है। कुंभ का इतिहास और उसकी महता के बा रे में कंद पुराण और वालमीकि रामा यण में उलेख मि लता है। कुंभ मेले की शुरूआत की कहानी पौराणिक कथाओं में समुद्र मंथन की कथा से जुड़ी हुई जिसके के अनुसार जब देवताओं और असुरों ने अमृत प्राप्त करने के लिए समुद्र मंथन किया तो उस मंथन से अमृत का घट निकला। अमृत को पाने के लिए देवताओं और असुरों के बीच युद्ध छिड़ गया जिसके चलते भगवान विष्णु ने अपने वाहन गरुड़ को अमृत के घड़े की सुरक्षा का काम सौंप दिया। गरुड़ जब अमृत को लेकर उड़ रहे थे, तब अमृत की कुछ बूंदें चार स्थानों हरिद्वार, नासिक, उज्जैन और प्रयागराज में गिरी जोकि अमरता का अमृत थीं। तभी से हर 12 वर्ष बाद इन स्थानों पर कुंभ मेले का आयोजन होता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार माना जाता है कि पहले कुंभ का आयो जन राजा हर्षवन के शासनकाल में 664 इसा पूर्व में आरम्भ किया गया था जिसका उल्लेख चीनी यात्री हुएगसांग ने अपनी यात्रा विवरण में किया है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार बृहस्पति के कुम्भ राशि में और सूर्य के मेष राशि में प्रविष्ट होने पर हरिद्वार में गंगा के किनारे पर कुंभ का आयोजन किया जाता है।

# मोक्ष कल्याणक व विश्व शांति महायज्ञ के साथ संपन्न हुआ पंचकल्याणक महोत्सव

## चरमोत्कृष्ट आस्था है मोक्ष : मुनि श्री सुप्रभसागर

## मुनिश्री बोले मोक्ष प्राप्ति हर जीव के लिए उच्चतम लक्ष्य

**ललितपुर. शाबाश इंडिया**

शांतिनाथ अतिशय क्षेत्र बानपुर में आचार्य श्री विशुद्धसागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य श्रमण मुनि श्री सुप्रभसागर जी महाराज, श्रमण मुनि श्री प्रणतसागर जी महाराज, आर्यिका श्री विजिज्ञासामती माता जी ससंघ के सान्निध्य में चल रहे श्री आदिनाथ श्रीमज्जिनेन्द्र पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव में शुक्रवार को पंचकल्याणक महोत्सव में आखरी दिन तीर्थंकर भगवान का मोक्षकल्याणक भारी आस्था श्रद्धा के साथ मनाया गया। साथ ही जिन बिम्ब स्थापना की गई। शुक्रवार को मोक्षकल्याणक की क्रियाएं की गईं जिसमें प्रातः पात्र शुद्धि ,अभिषेक,शन्तिधारा,नित्य महापूजन के साथ आरंभ हुयीं। तीर्थंकर भगवान को प्रातः मोक्ष की प्राप्ति हुई। जैसे ही तीर्थंकर भगवान के मोक्ष जाने की घोषणा प्रतिष्ठाचार्य ने की उपस्थित सैकड़ों भक्तों ने जयकारों से आकाश गुंजायमान कर दिया, लोग खुशी से नृत्य करने लगे।विविध प्रकार के वाद्ययंत्र बजाए गए। मोक्ष कल्याणक की पूजन की गई। आयोजन के अंतिम दिन विश्व शांति की कामना के साथ विश्व शांति महायज्ञ पूर्णाहुति हवन किया गया। शांतिपाठ और विसर्जन भी किया गया।इस मौके पर मुनि श्री सुप्रभ सागर जी मुनिराज ने अपने प्रवचन में कहा कि वास्तव में मोक्षगमन जैन दर्शन के चिंतन की चरमोत्कृष्ट आस्था है जो प्रत्येक हृदय में फलित होना चाहिए।मोक्षगमन को देखना इस निश्चय को दोहराना है कि जीवन के सभी कार्य तब तक सफल नहीं कहे जा सकते जब तक उसका अंतिम लक्ष्य मोक्षगमन न हो। उन्होंने कहा कि तीर्थंकर भगवान कषाय, काय से रहित हुए, अभी हम इन दोनों से युक्त हैं। उन्होंने कहा कि मोक्ष का अर्थ है आठ कर्मों से मुक्ति। जैन दर्शन के अनुसार मोक्ष प्राप्त करने के बाद जीव (आत्मा) जन्म मरण के चक्र से निकल जाता है और लोक के अग्रभाग सिद्धशिला में विराजमान हो जाती है। सभी कर्मों का नाश करने के बाद मोक्ष की प्राप्ति होती हैं। मोक्ष के उपरांत आत्मा अपने शुद्ध स्वरूप अनन्त ज्ञान, अनन्त दर्शन, अनन्त सुख, और अनन्त शक्ति में आ जाती है। ऐसी आत्मा को सिद्ध कहते है। मोक्ष प्राप्ति हर जीव के लिए उच्चतम लक्ष्य माना गया है। सम्यक दर्शन, सम्यक ज्ञान, सम्यक चरित्र से इसे प्राप्त किया जा सकता है। आयोजन को सफल बनाने में महोत्सव की आयोजन समिति व उप समितियों, विभिन्न स्वयंसेवी संगठनों का उल्लेखनीय योगदान रहा। इस दौरान सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। पंचकल्याणक महोत्सव के पात्र माता- पिता वीरेंद्र कुमार जैन,सौधर्म इंद्र सुनील कुमार- प्रीति सुंदरपुर , कुबेरइंद्र इन्द्रकुमारजैन - आरती बानपुर, महायज्ञनायक नितिन जैन- नम्रता जैन टीकमगढ़, यज्ञनायक रवींद्र कुमार- शोभा बानपुर, ईशान इंद्र राजेश जैन- राजुल सिंघई बानपुर, सानतइंद्र सुनील कुमार-आभा सिंघई बानपुर, माहेंद्र इन्द्र सुनील जैन- ममता सिंघई बानपुर, लांतवइंद्र पवन जैन- साधना सिंघई बानपुर, ध्वजारोहण कर्ता नायक देवेंद्र कुमार जैन, महेन्द्र नायक, इंदु जैन आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। विधि विधान की क्रियाएं ब्र. साकेत भैया के मार्गदर्शन में प्रतिष्ठाचार्य पंडित मुकेश शास्त्री गुड़गांव, प्रतिष्ठाचार्य पंडित अखिलेश शास्त्री ने संपन्न कराईं।

## मुनिसंघ का बानपुर पंचकल्याणक के बाद गुढ़ा पंचकल्याणक के लिए हुआ पद विहार

उत्कर्ष समूह के निर्देशक डॉ. सुनील संचय ने बताया कि मुनि श्री सुप्रभसागर महाराज ससंघ का पद विहार शुक्रवार को पंचकल्याणक महोत्सव सम्पन्न होने के बाद हो गया। 30 नवम्बर से मुनिश्री के सान्निध्य में गुढ़ा में पंचकल्याणक महोत्सव होने जा रहा है, शनिवार को मुनिसंघ का गुढ़ा में भव्य मंगल प्रवेश होगा। गुढ़ा में 30 नवम्बर से 5 दिसम्बर तक पंचकल्याणक महोत्सव आयोजित होगा जिसमें शनिवार को ध्वजारोहण, घटयात्रा के साथ ही गर्भ कल्याणक का पूर्व रूप मनाया जाएगा।

# साध्वी कुसुमप्रभा संयम रत्ना श्रीजी की निश्रा मे हुये पुणयार्थ कार्य

**चाकसू. शाबाश इंडिया।** शक्ति पीठ पद्मावती सेवा संस्थान के तत्वाधान में शुक्रवार पुण्यार्थ के कार्य किए गए। जानकारी देते हुए संयोजक विनीत सांड ने बताया कि बरखेड़ा तीर्थोद्वारी साध्वी सुमंगल श्री जी महाराज की शिष्या साध्वी कुसुम प्रभा श्रीजी महाराज साहब एवं संयम रत्नाश्रीजी महाराज साहब की पुण्य निश्रा मे इस अवसर पर चाकसू स्थित राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय शीतला माता के अंदर बच्चों को पाठ्य सामग्री का वितरण साध्वी श्री के आज्ञा द्वारा किया एवं अन्य विद्यालय के अंदर भी पाठ्य सामग्री का वितरण किया गया। इसके साथ ही चाकसु मे श्री राम वृद्ध आश्रम समिति के अंदर भी जाकर खाद्य सामग्री का वितरण किया गया। इस अवसर पर स्थानिय पार्षद धन कंवर भी मौजुद रहे। संस्थान द्वारा उनका बहुमान किया गया। साध्वी श्री गत कुछ दिनो से बरखेडा स्थित शवेताम्बर जैन मंदिर मे विराज रही है।

## आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

# उज्ज्वल भविष्य का रहस्य भूत को छोड़ो वर्तमान में जिओ: गुरुमां विज्ञाश्री माताजी

**गुन्सी, निवाई. शाबाश इंडिया**

श्री दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ गुन्सी जिला टोंक राजस्थान में ससंघ विराजमान परम पूज्य भारत गौरव गणिनी आर्यिका गुरुमां विज्ञाश्री माताजी के सानिध्य में आज की शांतिधारा करने का सौभाग्य रविन्द्र छाबड़ा सवाई माधोपुर, तरुण सौगानी सिद्धार्थ नगर जयपुर वालों को प्राप्त हुआ। अतिशयकारी श्री शांतिनाथ भगवान का प्रथम अभिषेक करने का सौभाग्य सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ क्षेत्र के संरक्षक श्री जितेन्द्र जैन मालवीय नगर से 7, जयपुर वालों ने प्राप्त किया। तत्पश्चात आर्यिका संघ की आहारचर्या कराने का सौभाग्य भी उन्होंने प्राप्त किया। क्षेत्र पर मंदिर निर्माण का कार्य शीघ्र गति से चल रहा है। पिच्छिका परिवर्तन समारोह के आयोजन संबंध में 1 दिसम्बर को चातुर्मास समिति द्वारा मिटींग रखी गई है। पूज्य माताजी ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि जीवन को अधूरे ज्ञान से मत जीना। जो जीव मोक्ष अभी नहीं मिलेगा इस भावना से धर्म नहीं करते उन्हें यह पता होना चाहिए की वर्तमान में नरक भी तो है। अच्छे कर्म भविष्य में अच्छा फल देंगे और बुरे कर्म बुरा ही फल देंगे। भविष्य को अगर सही बनाना है तो भूत को छोड़कर वर्तमान में जिओ। तर्क ज्ञान से अपने भ्रम को दूरकर सही राह पर चलना ही मोक्ष मार्ग है।

## चांदी के रथ में बिराजेंगे पारसनाथजी

### 7 दिसम्बर को आयोजित होगा प्रथम रजत रथयात्रा महोत्सव

**सौरभ जैन. शाबाश इंडिया**

पिड़ावा। धर्मनगरी में सकल दिगम्बर जैन समाज के तत्वाधान में आगामी 7 दिसम्बर को भव्य रजत रथयात्रा निकाली जायेगी। जैन समाज के प्रवक्ता कवि मनोज निडर ने बताया कि आचार्य आर्जव सागर महाराज के सानिध्य में आगामी 7 दिसम्बर को भव्यतापूर्वक बहुप्रतिक्षित प्रथम रजत रथयात्रा महोत्सव मनाया जाएगा। सकल दिगंबर जैन समाज की वार्षिक रथयात्रा की यह परम्परा बरसों पुरानी परम्परा है जो प्राचीन लकड़ी निर्मित अद्भुत रथ के साथ निकाली जाती आ रही है। जिसमें नगर के आसपास के क्षेत्रों में रहने वाले समाज बंधुओ के साथ-साथ दूर दराज के क्षेत्रों से आने वाले श्रद्धालु भी शामिल होते आ रहे हैं, लेकिन इस वर्ष धर्म नगरी के इतिहास में पहली बार पारसनाथ भगवान की रथ यात्रा चांदी के रथ में निकाली जाएगी। यह रथयात्रा दिगंबर जैन बड़ा मंदिर में खड़गासन अवस्था में विराजमान अतिशयकारी सांवलिया पारसनाथ भगवान के प्रति भक्तों की आस्था और श्रद्धा का प्रकटीकरण होती है। इस बार की रथ यात्रा विशेष आकर्षण लिए हुए होगी और यह आकर्षण होगा चांदी का डबल मंजिला रथ। जिसे देखने के लिए स्थानीय जैन समाज के साथ-साथ आसपास के क्षेत्र में रहने वाले जैनेत्तर समुदाय में भी उत्साह का माहौल बना हुआ है। दिगंबर जैन बड़ा मंदिर के अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह जैन ने बताया कि 5 वर्ष पूर्व स्थानीय जैन समाज ने भावना भाई थी कि पारसनाथ भगवान की रथ यात्रा चाँदी के रथ में निकाली जानी चाहिए। उसके बाद आचार्य आर्जव सागर महाराज का चातुर्मास पिड़ावा में आयोजित हुआ और उनकी प्रेरणा एवं आशीर्वाद व स्थानीय समाज के सहयोग से 18 फिट लम्बा 7.45 फिट चौड़ा और 14 फिट ऊँचा दुमंजिला चाँदी के रथ का निर्माण राजस्थान के पाली जिले के कोलीवाड़ा नगर के कारीगरों द्वारा हुआ है। इस रथ यात्रा महोत्सव की तैयारी स्थानीय समाज द्वारा जोर-जोर से की जा रही है। जिसमें आसपास के क्षेत्रों के साथ-साथ मध्य प्रदेश, राजस्थान, दिल्ली, हरियाणा और कर्नाटक आदि राज्यों से भी श्रद्धालु आचार्य आर्जव सागर महाराज ससंघ के दर्शनार्थ और भगवान पारसनाथ की रथ यात्रा में शामिल होने के लिए पधार रहे हैं।

## संगिनी मैन उदयपुर का हेलोवीन थीम पर अनोखा कार्यक्रम

**उदयपुर. कासं।** जेएसजी संगिनी मैन उदयपुर ने विज्ञान समिति अशोक नगर उदयपुर में हेलोवीन थीम पर अद्भुत कार्यक्रम का आयोजन किया। मंगलाचरण व फेडरेशन सूत्र के वाचन के बाद ग्रुप अध्यक्ष डॉ प्रमिला जैन ने बताया कि कार्यक्रम में हेलोवीन थीम डेकोरेशन किया गया व अद्भुत मेकअप के साथ ग्रुप के 30 सदस्य हेलोवीन बनकर आई उनकी प्रस्तुतियां देखकर सभी स्तब्ध रह गए। सदस्यों ने इस तरह के कार्यक्रम की सराहना करते हुए बताया कि इस तरह का कार्यक्रम जीवन में पहली बार देखा व बहुत आनंद आया। हेलोवीन थीम पर फ्री तंबोला खेलाया एवं सभी हेलोवीन बनी सदस्यों को पुरस्कृत भी किया गया। डॉ प्रमिला जैन ने ग्रुप के सभी 141 सदस्यों को सफारी कंपनी की 55 सेमी का केबिनेट ट्रॉली उपहार स्वरूप देने की घोषणा की। कार्यक्रम में लगभग 95 सदस्यों की उपस्थिति रही। आभार सचिव स्नेहलता पोरवाल द्वारा ज्ञापित किया गया।

## ज्ञान हमें संसार में मिलें मनुष्य जीवन की दुर्लभता का बोध करता है : मुनि श्री अरहसागर जी महाराज

**अशोक नगर. शाबाश इंडिया।**

धन कन कंचन राजसुख सबही सुलभ कर जान दुर्लभ है संसार में एक जथारथ ज्ञान संसार की दुर्लभता का बोध हमें इन पंक्तियों के साथ समझे में आ जाती है जिन चीजों की दुर्लभता का हमें बोध कराया जा रहा है उस और हमारी दृष्टि कहा जा पातीं है हम तो वही ये में ही उलझे हैं और उलझन भी ऐसी कि सुलझने का नाम ही नहीं लेते संसार का चक्र ही ऐसा है कि हर कोई अपने आप को उसमें इतनी गहराई तक चला जाता है कि खानें की भी फुर्सत नहीं रही हर समय काम काम और काम ही लगा रहता है और जब उसे अपने आप का भान होता है तब ये शरीर साहय हो जाता है जिस काम को हमें बचपन में करना था उसे पचपन में करने का विचार कर रहे हैं यदि आज भी हमें कुछ करने का विचार आ गया तो आप भाग्यशाली हैं जब जागो तब ही सबेरा उक्त आश्य केउद्गार सुभाष गंज में धर्म सभा को सम्बोधित करते हुए आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के शिष्य मुनिश्री अरह सागर जी महाराज ने व्यक्त किए।

# ज्ञान हमें संसार में मिलें मनुष्य जीवन की दुर्लभता का बोध करता है: मुनि श्री अरहसागर जी महाराज

## कल दय मुनि संघों के सान्निध्य में होगा दो दिवसीय रथयात्रा महोत्सव का शुभारंभ : विजय धुर्रा

**अशोक नगर. शाबाश इंडिया।** धन कन कंचन राजसुख सबही सुलभ कर जान दुर्लभ है संसार में एक जथारथ ज्ञान संसार की दुर्लभता का बोध हमें इन पंक्तियों के साथ समझे में आ जाती है जिन चीजों की दुर्लभता का हमें बोध कराया जा रहा है उस और हमारी दृष्टि कहा जा पातीं है हम तो वही ये में ही उलझे हैं और उलझन भी ऐसी कि सुलझने का नाम ही नहीं लेते संसार का चक्र ही ऐसा है कि हर कोई अपने आप को उसमें इतनी गहराई तक चला जाता है कि खानें की भी फुर्सत नहीं रही हर समय काम काम और काम ही लगा रहता है और जव उसे अपने आप का भान होता है तव ये शरीर साहय हो जाता है जिस काम को हमें वचपन में करना था उसे पचपन में करने का विचार कर रहे हैं यदि आज भी हमें कुछ करने का विचार आ गया तो आप भाग्यशाली हैं जव जागो तव ही सबेरा उक्त आश्य केउद्गार सुभाष गंज में धर्म सभा को सम्बोधित करते हुए आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के शिष्य मुनिश्री अरह सागर जी महाराज ने व्यक्त किए।

### मुनि संघ के आगमन के साथ सप्त गजरथ की वर्ष गांठ महोत्सव का शुभारंभ होगा: विजय धुर्रा

इसके पहले धर्म सभा का संचालन करते हुए मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा ने कहा कि कल परम पूज्य मुनि श्री आदित्य सागर जी महाराज नगर गौरव सहज सागर जी महाराज ससंघ का नगर आगमन प्रातः काल की वेला में राजमाता चौराहे से होगा इस वाद एक भव्य शोभायात्रा के रूप में मुनि संघ गंज मन्दिर पधारेगा जहां विराजमान मुनि श्री अरह सागर जी महाराज के मिलन के वाद ये भव्य शोभायात्रा श्री शान्ति नगर पहुंचें कर धर्म सभा में बदल जायेगी जहां महा मस्तिकाभिषेक महोत्सव के पात्रों का चयन किया जाएगा

### शोभायात्रा के वाद होगा महोत्सव के पात्रों का चयन: शैलेन्द्र श्रागर

जैन समाज के मंत्री शैलेन्द्र श्रागर ने कहा कि दो दिसंबर को १९९२ में अशोक नगर में हुये ऐतिहासिक त्रिकाल चौबीस पंच कल्याणक एवं सप्तगजरथ महोत्सव की तैंतीस वी वर्षगांठ हम सब मुनि संघ के सान्निध्य में दो दिवसीय समारोह के रूप में मना रहे हैं जिसका शुभारंभ शोभायात्रा के पहुंने के साथ होगा इस हेतु गत दिवस पंचायत कमेटी के अध्यक्ष राकेश कासंल महामंत्री राकेश अमरोद के नेतृत्व में सभी कार्यक्रमों को अंतिम रूप दिया गया तदनुसार सभी कार्य कमो को हम भव्यता पूर्वक सम्पन्न करेंगे इस दौरान मुनिश्री को कमेटी के संयोजक उमेश सिघई निर्मल मिर्ची राजेश कासल सुनील घेलू पवन धुर्रा अभिषेक मोदी नीरज पाठ ने शास्त्र भेंट किये।

# 'जीवन को खुशहाल बनाना चाहते हो तो आग्रह पूर्ण प्रवत्ति को त्यागकर जीवन में लोच बनाकर रखिये' : मुनि श्री प्रमाणसागर महाराज

**राजेश जैन दद्दू. शाबाश इंडिया**

इंदौर। 'जीवन को खुशहाल बनाना चाहते हो तो आग्रह पूर्ण प्रवत्ति को त्यागकर जीवन में लोच बनाकर रखिये' उपरोक्त उदगार मुनि श्री प्रमाणसागर महाराज ने नेमीनगर में प्रातःकालीन धर्म सभा व्यक्त किये। मुनि श्री ने कहा कि पहले परिवार में दादा दादी चाचा चाची हुआ करते थे और यदि कोई बात होती थी तो वह सम्हाल लिया करते थे आजकल तो ''छोटी छोटी बातों पर व्यक्ति आग्रह कर अड़ जाता है और दुराग्रह पैदा हो जाते है''। उन्होंने विनोद पूर्ण लहजे में एक किस्सा सुनाते हुये कहा कि घर में पति पत्नी थे और अपनी 'भविष्य की संतान' के विषय में सोच रहे थे पत्नी की इच्छा डाक्टर बनाने की थी जबकि पति उसे वैज्ञानिक बनाना चाहता था पत्नी कहती में नौ माह तक अपनी संतान को अपने पेट में रखूंगी में उसकी मां हूं उसे डाक्टर ही बनाउंगी और पिता कहता कि आजकल गली गली में डाक्टर है में अपने बेटे को बैज्ञानिक ही बनाऊंगा दौनों अपनी जिद पर अड़ गये और बात तू तू में में पर पहुंच मामला तलाक तक पहुंच गया,जज समझदार था उसने मामले की तह में जाते हुये कहा कि आप बेटा को बुलाइये बेटा क्या बनना चाहता है? तो पति पत्नी दौनों एक साथ बोले कि अभी बेटा हुआ ही कंहा है? जज के सामने उनको शर्मिंदगी का सामना करना पड़ा मुनि श्री ने कहा कि बात हंसने की नही आप लोगों की हठाग्रही प्रवत्ति के कारण छोटी छोटी बातों पर ही उलझ पड़ते है, जिनका कोई सिर पैर नहीं होता कभी बच्चों की डिरेस को लेकर तो कभी अन्य छोटी छोटी बातों पर बच्चों के सामने ही माता पिता आपस में उलझ पड़ते है मुनि श्री ने कहा कि हटाग्रही नहीं बनिये खुद को मनाना सीखिये मन में खिन्नता मत लाइये,अपनी बात को इस प्रकार से रखो कि सामने बाला मान जाऐ तो ठीक नहीं माने तो ठीक अपनी बात को थोपिये मत उन्होंने कहा कि हम रोज आपको कहता हूं आप लोग हमारी बात को सुनते ही नहीं फिर भी हम कर्तव्य मानकर कहते रहते है आप लोग मान जाओ तो ठीक और नहीं मानो तो ठीक यदी हम अपने आग्रह में लग जाऐंगे तो मन में क्षोभ और क्लेश भी उत्पन्न होगा यही स्थिति समाज,

परिवार रिस्तेदारी और मित्रों के बीच में उत्पन्न होती है। उन्होंने कहा धर्म के मर्म को समझिये,अपने जीवन को ऐसा बनाओ कि वह सबमें रम सके सबको अपना बना सके यह तभी हो सकता है जब हम अपनी बात पर अड़ना बंद कर देंगे। सास ने बहु से कुछ कहा और बहु ने बात नहीं मानी बस इसी बात को लेकर ही घर में अशांति का माहौल बन जाता है हटाग्रही न बनें जीवन को रसमय तथा आनंदमय बनाऐं।इस अवसर पर मुनि श्री निर्वेग सागर महाराज ने कहा कि आजकल कम पड़े लोग सुख शांति से रहते है, ज्यादा पड़े लिखे लोग ज्यादा कन्फयूज हो रहे है बच्चे पहले भी पड़ते थे और 60% लाकर बच्चे तथा मां बाप दौनों खुश रहते थे अपना व्यापार कृषि आदि कर खुशी खुशी पूरा परिवार एक साथ रहता था आज 95% नम्वर लाने के पश्चात भी बच्चे रोते रोते घर आते है उसका कारण है कि बच्चों के ऊपर आपने टांप करने की मानसिकता बना रखी है थोड़े से कम नम्वर आने पर ही वह डिप्रेशन के शिकार हो जाते है,उन्होंने कहा कि बेटा और बेटियाँ को पड़ाई के साथ ही व्यव्हारिक ज्ञान भी दीजिये जिससे उनके अंदर सहनशीलता आऐ यदि वह 70% या कम नम्वर भी लाऐं तो उनका हौसला बडाइये जिससे वह अपने आप को कमजोर न समझें और आगे महनत करें। इस अवसर पर मुनि श्री संधान सागर महाराज सहित समस्त क्षुल्लक मंचासीन थे। धर्म समाज प्रचारक राजेश जैन दद्दू एवं प्रवक्ता अविनाश जैन विद्यावाणी ने बताया कि आज की धर्म सभा में छत्रपति नगर समाज के अध्यक्ष भुपेंद्र जैन, विपुल बाझल,कमल जैन चेलेजर, श्रुत जैन, विरेन्द्र जेन, राकेश नायक आदि समाज जन उपस्थित हुए और छत्रपति नगर में परम पुज्य मुनि संसघ का मंगल प्रवेश एवं नवनिर्मित मानस्तभ में वेदी प्रतिष्ठा मुनिससंघ के सानिध्य में हो । यह पुनीत भावना के साथ श्रीफल समर्पित कर आशीर्वाद प्राप्त किया। मुनि संसघ ने आहार चर्या उपरांत दौपहर में 1:30 बजे उदासीन आश्रम कंचनबाग की और प्रस्थान किया, सांयकाल 5:45 से बहुचर्चित शंकासमाधान कार्यक्रम एवं रात्री में गोकुल नगर के पंचकल्याणक महोत्सव के प्रमुख पात्रों एवं भगवान के माता-पिता की गोद भराई भी आज होगी विश्राम यंही संपन्न होगा 30 नवम्वर शनिवार को मुनिसंघ प्रातः6:30 बजे वैभवनगर की ओर प्रस्थान करेंगे मंगल अगवानी 7:30 बजे संविद नगर कनाडिया रोड़ से की जाऐगी पंचकल्याणक महामहोत्सव समिति केसंयोजक हर्ष तृप्ति जैन धर्मप्रभावना समिति के अध्यक्ष अशोक रानी डोसी नवीन आनंद गोधा सहित समस्त पदाधिकारिओं ने सकल दि. जैन इंदौर से आग्रह किया है कि मुनिसंघ की मंगल अगवानी कर पुण्यलाभ अर्जित करें।

# राजस्थान विश्वविद्यालय अंतर महाविद्यालय तीन दिवसीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता का समापन

**जयपुर. शाबाश इंडिया।** राजस्थान विश्वविद्यालय की कुल्गुरू प्रो.अल्पना कटेजा की अध्यक्षता में स्पोर्ट्स बोर्ड परिसर में चल रही तीन दिवसीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता का समापन हुआ। खेल बोर्ड सचिव डॉ.प्रीति शर्मा ने बताया पहली बार एथलेटिक्स प्रतियोगिता में ओलंपियन व अर्जुन अवॉर्डी गोपाल सैनी ने प्रेक्षक किया जिससे खिलाड़ियों में खेल भावना का उत्साह रहा। तीसरे दिन 400 मीटर दौड, ऊँची कूद 1600 मीटर दौड़, हैमर थ्रो, 4400 मीटर रिले, 3000 मीटर स्टीपन चैज आदि प्रतियोगिता हुई। 1157 से अधिक पुरूष व महिला प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। पुरूष वर्ग में एसएस जैन सुबोध महाविद्यालय विजेता रही व कस्तुरी देवी महाविद्यालय उपविजेता रही। महिला वर्ग टीम में एसएस जैन सुबोध महाविद्यालय विजेता व राजकीय महाविद्यालय बगरू उपविजेता रही। सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी पुरुष वर्ग में देवेन्द्र सिंह व महिला वर्ग में सपना कुमारी रही।आयोजन सचिव सुरेन्द मीणा ने बताया इस मौके पर 0फिजिकल एजुकेशन एचओडी प्रो.सरीना कालिया,डॉ. शैलेश मौर्य, डॉ.प्रभुदयाल व कोच,विद्यार्थी कर्मचारी मौजूद रहें। उड़ीसा में होने वाली अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय प्रतियोगिता में राजस्थान विश्वविद्यालय की टीम भाग लेगी।

# नन्ही मुस्कान: Healthy Child Contest का आयोजन

**दौसा।** श्री कृष्ण चिकित्सालय, दौसा के सौजन्य से "नन्ही मुस्कान" Healthy Child Contest का भव्य आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम बच्चों के शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से 1 दिसंबर 2024 को चिकित्सालय प्रांगण में आयोजित होगा।इस प्रतियोगिता का पोस्टर अनावरण राजस्थान के राज्यपाल माननीय हरिभाऊजी के शुभ कर-कमलों द्वारा किया गया। राज्यपाल महोदय ने बच्चों के स्वस्थ जीवन की आवश्यकता पर प्रकाश डाला और इस प्रकार की पहलों को समय की आवश्यकता बताया। राज्यपाल महोदय ने श्री कृष्ण चिकित्सालय की इस अनुकरणीय पहल की प्रशंसा करते हुए इसे समाज के लिए एक आदर्श कदम बताया। उन्होंने कहा कि बालकों का स्वास्थ्य राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य की नींव है और इस प्रकार की प्रतियोगिताएँ जागरूकता फैलाने में अहम भूमिका निभाती हैं।इस अवसर पर चिकित्सालय की तरफ़ से श्रीमती वंदना शर्मा के साथ वरिष्ठ चिकित्सा टीम के प्रतिष्ठित सदस्य डॉ. पंकज जुत्शी, डॉ. खुशी शर्मा, डॉ. पीयूष त्रिवेदी उपस्थित रहे।"नन्ही मुस्कान" Healthy Child Contest का मुख्य उद्देश्य अभिभावकों को उनके बालकों के स्वास्थ्य एवं समृद्धि के प्रति जागरूक करना है। यह पहल राजस्थान के बालकों के उज्ज्वल और स्वस्थ भविष्य को सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण प्रयास है।

# जरूरत मंदों को भोजन वितरण कर बालिका धावी ने मनाया पांचवा जन्म दिन

**जयपुर. शाबाश इंडिया।** बालिका धावी द्वारा अपना पाँचवा जन्म दिन जे के लोन के बाहर निषक्त, गरीब, व जरूरत मंद व्यक्तियों को दादा दादी महावीर शकुंतला बिंदायक्या के साथ भोजन वितरण कर मनाया गया। शुद्धता से तैयार भोजन साफ पत्तल दोने में मिठाई के साथ लाइन बद्ध करीब दो सौ व्यक्तियों को वितरित किया गया । इस अवसर पर बालिका धावी की मम्मी रिक्की पापा हिमांशु के अलावा व्यवस्था में मुकेश जगदीश प्रहलाद आदि का सहयोग रहा ।

# रोटरी आदित्य बॉक्स क्रिकेट टूर्नामेंट 2024 का शानदार आगाज

**जयपुर. शाबाश इंडिया।** रोटरी क्लब जयपुर बापू नगर के अध्यक्ष एडवोकेट अशोक गोयल ने बताया कि रोटरी इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 3056 के आदित्य बॉक्स क्रिकेट टूर्नामेंट का आज सहकार मार्ग स्थित टर्फ 8 टीन 10 मैदान में शानदार आगाज के साथ शुभारम्भ प्रातः 8 बजे मैदान में फीता काट कर डिस्ट्रिक्ट गवर्नर डॉ राखी गुप्ता द्वारा किया तथा प्रथम बाल खेल कर टूर्नामेंट का विधिवत उद्घाटन किया ' क्लब सेक्रेटरी बसंत जैन के अनुसार इस टूर्नामेंट में पूरे प्रदेश में 12 टीम भाग ले रही है इसमें महिला पुरुष समान रूप से खेल रहे हैं। पूरे विश्व में रोटरी सेवा के अदभुत कार्यों के साथ साथ मेम्बरों में फेलोशिप व संबंध बढ़ाने हेतु कई मनोरंजक व खेल कूद के आयोजन करता रहता है ' टूर्नामेंट चेयरमैन इंजी. पी सी संघी नें बताया कि इस टूर्नामेंट में 12 टीमों को चार वर्गों में बांटा गया है हर वर्ग में तीन तीन टीम नें आज रात्रि 9 बजे तक भाग लिया । कल रविवार को विजेता टीमें क्वार्टर , सेमी व फाइनल के मैच खेलेगी ' आज का पहला मैच बापूनगर हॉक्स व प्रेडेटर्स के बीच हुआ' टूर्नामेंट के संयोजक बृजेश गुप्ता ने बताया कि मैच शुरू होने के साथ-साथ ही विनर ट्रॉफी मैन ऑफ द मैच ट्रॉफी आदि ट्रॉफियों की भी लांचिंग भी की गई इस अवसर पर रोटरी डिस्ट्रिक्ट जनरल सेक्रेटरी आलोक अग्रवाल, पंकज गुप्ता, डिस्ट्रिक्ट वाइस चेयरमैन आर एस गुप्ता ,रोटरी क्लब जयपुर के अध्यक्ष गिरधर माहेश्वरी ,सचिव पीयूष जैन, उपाध्यक्ष शिल्पा बेंद्रे , रोटरी क्लब सिटीजन के अध्यक्ष दिनेश बज ,आदि अन्य सैकड़ों सदस्य उपस्थित रहकर खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया।

# निरोग रहने के लिए दिनचर्या सुधारें और प्रतिदिन योग करें : उप मुख्यमंत्री

## स्वास्थ्य कल्याण होम्योपैथी और योगा मेडिकल कॉलेजों का दीक्षांत समारोह, 295 स्टूडेंट को स्नातक और 17 स्टूडेंट को बांटी स्नातकोत्तर की डिग्रियां

**जयपुर. शाबाश इंडिया।** डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन राजस्थान आयुर्वेद यूनिवर्सिटी जोधपुर से सम्बद्ध स्वास्थ्य कल्याण समूह के दो महाविद्यालयों, स्वास्थ्य कल्याण होम्योपैथी मेडिकल कॉलेज एण्ड रिसर्च सेंटर और स्वास्थ्य कल्याण इंस्टीट्यूट ऑफ नेचुरोपैथी एण्ड यौगिक साइंसेज के दीक्षांत समारोह में दोनों महाविद्यालयों के 302 स्टूडेंट को डिग्री और मेडल प्रदान किए गए। उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा एवं अन्य अतिथियों ने 295 स्टूडेंट को स्नातक और 17 स्टूडेंट को स्नातकोत्तर की डिग्रियां बांटी। सीतापुरा जयपुर स्थित स्वास्थ्य कल्याण कैंपस में शनिवार को आयोजित समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश के उप मुख्यमंत्री एवं आयुष मंत्री डॉ. प्रेम चंद बैरवा ने एलोपैथी के साथ होम्योपैथी और योगा जैसी भारतीय चिकित्सा पद्धतियों के प्रोत्साहन के लिए डॉ. एस एस अग्रवाल की सराहना की। उन्होंने कहा कि इलाज से पहले और बाद में भी व्यक्ति को स्वस्थ रखने में योगा का अहम रोल होता है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि निरोग रहने के लिए दिनचर्या को सुधारें और प्रतिदिन योग करें। डॉ. बैरवा ने होम्योपैथी को बिना साइड इफैक्ट वाली पद्धति बताते हुए नए चिकित्सकों को सेवा भावना के साथ काम करने का आह्वान किया। समारोह के विशिष्ठ अतिथि डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन राजस्थान आयुर्वेद यूनिवर्सिटी जोधपुर के कुलपति प्रो. प्रदीप कुमार प्रजापति ने कहा कि जयपुर में स्वास्थ्य कल्याण योगा और होम्योपैथी कॉलेज सरकार के मापदंडों पर खरे रहकर काम कर रहे हैं। ऐसे में सरकार भी होम्योपैथी और योगा के विस्तार को लेकर प्रतिबद्ध है और इस पर काम कर रही है।

# एडवांस्ड ग्रोहेयर और ग्लोस्किन क्लिनिक का भव्य उद्घाटन

**जयपुर. शाबाश इंडिया**

एडवांस्ड ग्रोहेयर और ग्लोस्किन ब्रांड ने राजस्थान में अपने पहले क्लिनिक का उद्घाटन जयपुर के मालवीय नगर में किया। यह उद्घाटन समारोह एक ऐतिहासिक अवसर रहा, जिसने राज्य में सौंदर्य और स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में एक नई शुरूआत की। इस शुभ दिन पर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने के लिए मुख्य अतिथि श्रीमती मंजू शर्मा, लोकसभा सदस्य, और विमल कटियार, पूर्व राज्य अध्यक्ष मीडिया सेल, उपस्थित रहे। साथ ही, ब्रांड के संस्थापक और प्रबंध निदेशक सरन वेल जे ने विशिष्ट अतिथि के रूप में कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाई। श्री राजेश चंद्रन, लैटिन अमेरिकी और कैरिबियाई व्यापार परिषद के बोर्ड सदस्य, राष्ट्रीय व्यापार कल्याण बोर्ड ऑफ इंडिया के अध्यक्ष और जिटो चेन्नई चैप्टर के चेयरमैन, ने मेजबानी की भूमिका निभाई। कार्यक्रम में फ्रेंचाइजी पार्टनर देवांग शाह और राजन सिंह की उपस्थिति ने इस अवसर को और भी यादगार बना दिया। एडवांस्ड ग्रोहेयर और ग्लोस्किन क्लिनिक के जयपुर के मालवीय नगर में उद्घाटन ने उच्च गुणवत्ता वाले बाल पुनर्जनन और त्वचा उपचार को व्यापक समुदाय तक पहुँचाने की अपनी प्रतिबद्धता को फिर से साबित किया है। उद्योग में नए मानदंड स्थापित करते हुए, यह क्लिनिक जयपुर के मालवीय नगर में सौंदर्य चिकित्सा के भविष्य को साकार करने के लिए तैयार है। अब मालवीय नगर, जयपुर में एडवांस्ड ग्रोहेयर और ग्लोस्किन क्लिनिक आपके सेवा में तत्पर है।